वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 162 | सोमवार 9 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## आवासन मण्डल की विभिन्न परियोजनाओं का सोमवार को किया जाएगा शिलान्यास और लोकार्पण

### लगभग 607 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही है सभी योजनाएं

**जयपुर. कासं।** राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा जयपुर सहित विभिन्न शहरों में तैयार की जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं का सोमवार को नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल द्वारा राजकीय आवास से वर्चुअली लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान 1584 परिसंपत्तियों और आवासों का लोकार्पण तथा 1760 फ्लैट्स एवं आवास का शिलान्यास किया जाएगा। आवासन आयुक्त कुमार पाल गौतम ने बताया कि आवासन मंत्री सोमवार को 401.57 करोड़ रुपए की लागत से जयपुर में निर्मित विश्वस्तरीय कोचिंग हब (प्रथम चरण), मुख्यमंत्री जन आवास योजना, गिरनार अपार्टमेंट प्रथम, गिरनार अपार्टमेंट द्वितीय और सेक्टर 3 में निर्मित आशीर्वाद अपार्टमेंट का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 205.86 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले जयपुर के प्रताप नगर, सेक्टर-23 में स्थित माही अपार्टमेंट में मध्यम आय वर्ग-ब के 225 फ्लैट्स, सेक्टर-22 में स्थित समृद्धि अपार्टमेंट-प्रथम में मध्यम आय वर्ग-अ के 120 फ्लैट एवं समृद्धि अपार्टमेंट-द्वितीय में मध्यम आय वर्ग-अ के 39 फ्लैट्स, टोंक के निवाई में राजीव गांधी नगर आवासीय योजना फेज-तृतीय में कुल 77 आवास, चुरू आवासीय योजना में कुल 10 आवास, जोधपुर की बडली आवासीय योजना में कुल 717 आवास, सिरोही में आबूरोड पर स्थित मानपुर आवासीय योजना में की 194 आवास का शिलान्यास करेंगे।

## राज्यपाल मिश्र और लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला की मुलाकात

**जयपुर. कासं।** राज्यपाल कलराज मिश्र और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला की राजभवन में मुलाकात हुई। दोनों की यह शिष्टाचार भेंट थी।

# राजमहल में विराजे खाटू श्यामजी, रातभर हुई इत्र व पुष्प वर्षा

**जयपुर. कासं**

राजमहल में विराजे श्याम प्रभु को रिझाने के लिए रातभर एक से बढ़कर एक भजनों की रसधार बही। इस बीच भक्त पुष्प व इत्र की वर्षा करते रहे। 'सजने का है शौकीन कही नजर न लग जाएं... तू क्यों घबराता है तेरा श्याम से नाता है...' जैसे श्याम भजनों में लोग रम गए। भजन गायकों के साथ भक्त भी सुर में सुर मिलाते नजर आए। मौका था शास्त्री नगर के खंडेलवाल कॉलेज में श्याम वार्षिक महोत्सव का। यहां अलौकिक श्याम दरबार सजाया गया है, जिसमें देशभर के भजन गायक अपनी प्रस्तुति से श्याम बाबा को रिझा रहे हैं। भजन संध्या सुनने के लिए रात को लोग उमड़ पड़े। श्रीश्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति जयपुर के 31वें वार्षिक श्याम महोत्सव के तहत भजन संध्या का आगाज मैयाजी आनंदी देवी शारडा व काले हनुमानजी मंदिर के गोपाल दास महाराज ने आरती के बाद योगेश पाराशर ने गणेश वंदना ''गाइये गणपति जग वंदन...'' के साथ किया। इसके बाद हनुमान जी माताजी व गुरुदेव की वंदना में भजनों की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही श्याम भजन संध्या शुरू हुई, रातभर देशभर के आए भजन गायकों ने श्याम प्रभु को रिझाने में अपनी प्रस्तुतियां दी। शुभम रूपम ने ''सजने का है शौकीन कही नजर न लग जाएं...'' संजय मित्तल ने 'तू क्यों घबराता है तेरा श्याम से नाता है', संजू शर्मा ने 'किसी की नैया का मांझी बन जाता है...' जैसे भजनों से श्याम बाबा को रिझाया। भजन संध्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। संरक्षक रामबाबू झालाणी ने बताया कि श्याम बाबा के भव्य श्रृंगार के दर्शनों के

लिए लोग उमड़े। इस दरबार को सजाने के लिए कोलकाता आये करीब 40 कारीगर पिछले 20 दिनों से जुटे हुए थे। दरबार को बैंकॉक व कलकत्ता से मंगवाए फूलों से सजाया गया। बाबा की पावन ज्योत के साथ छप्पन भोग के दर्शन के लिए रात भर श्रद्धालु आते रहे।

### आज दिनभर भजनों की रसधार

श्याम बाबा के दरबार में आज दिनरात भजनों की रसधार बहेगी। इसमें मुबंई लखबीर सिंह लक्खा सहित संजीव शर्मा, राजू मेहरा, चंडीगड के आसू सहित देशभर के गायक कलाकार अपनी प्रस्तुति से श्याम बाबा को रिझाएंगे।

# श्री महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर के वार्षिक मेले का रविवार को हुआ आयोजन

## आयोजन की पूर्व संध्या पर शनिवार को मंदिर जी में आयोजित हुई णमोकार भजन संध्या

**वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया**

सीकर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शहर के सालासर स्टैंड स्थित श्री महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर के वार्षिक मेले का भव्य आयोजन रविवार को सालासर रोड़ स्थित पाण्डुक शिला उद्यान में किया गया । प्रवीण भरतिया ने बताया कि इस अवसर पर दोपहर सालासर स्टैंड स्थित महावीर स्वामी मंदिर से पाण्डुक शिला उद्यान तक रथ यात्रा निकाली गई ।जैन वीर संगम के कार्यकारी अध्यक्ष सुशील काला ने बताया कि रथयात्रा के दौरान समाज की संस्था जैन वीर संगम द्वारा श्रद्धालुओं के मध्य पुरस्कार वितरित किए गए । पुरस्कार ललित कुमार आशीष कुमार भरतिया परिवार द्वारा दिए गए ।विवेक पाटोदी ने बताया कि समारोह स्थल पर भगवान महावीर के कलशाभिषेक व अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए ।कार्यक्रम पुण्यार्जन चंदा देवी ,प्रदीप अमिता भरतिया परिवार इटानगर को प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम संयोजक दिनेश भरतिया , महेश गंगवाल , अनिल काला प्रेमपुरा , मनीष छाबड़ा दुधवा थे । पदम भरतिया ने बताया कि कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर शनिवार को सांयकाल सालासर स्टैंड स्थित महावीर स्वामी मंदिर में णमोकार के पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया गया ।सकल जैन समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सीकर व आसपास के क्षेत्रों से जैन समाज उपस्थित रहा ।

### श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में हुआ वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन

विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातः नवलगढ़ रोड़ स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन हुआ । आयोजन में शांति धारा पुण्यार्जक सुशील कुमार सचिन कुमार बाकलीवाल परिवार लक्ष्मणगढ़ थे। शंभू लुहाड़िया ने बताया कि आरती और मालकर्ता परिवार महावीर प्रसाद महेश कुमार मनीष कुमार काला लालास वाला परिवार थे ।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा "मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ"

## परिचर्चा का आयोजन मंगलवार, 10 अक्टूबर को, वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर राजस्थान रीजन के तत्वावधान में होगा आयोजन। डॉक्टर अनामिका पापडीवाल होंगी मुख्य वक्ता

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा निशुल्क मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर मालवीय नगर जयपुर पर डॉ अनामिका पापड़ीवाल काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट द्वारा किया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि प्रमुख समाज सेवी ज्ञानचंद झांझरी मुख्य अतिथि के सानिध्य में शिविर का समय 10 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक रखा गया है। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि इसमें आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं, डिप्रेशन, चिंता, तनाव, नेगेटिविटी, ओवरथिंकिंग, नींद की समस्या, OCD, ADHD, PTSD, एडिक्शन जैसी मानसिक समस्याओं के अतिरिक्त परिवार, व्यवहारिक, वैवाहिक, वैवाहिक पूर्व, सीनियर सिटीजंस, विद्यार्थी और कार्य क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के लिए भी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और बिना किसी दवा के केवल परामर्श द्वारा समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है यह डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल से जान सकते हैं।

# शुगर की बीमारी किन किन कारणों से हो सकती हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

**सुबह देर से उठना, रात को देर तक जागना, सुबह लेट उठना यह सब नियम सिद्धांत गलत है। अगर हम सुबह 8 :00 बजे के बाद ही खाना शुरू करें उसके पहले कुछ न लें और रात्रि 8 :00 के पहले अपना डिनर समाप्त कर दें और नंगे पैर घास पर धरती पर चलें तो ऑटोमेटिक ही शुगर नॉर्मल हो जाएगा...**

शुगर की बीमारियों का मुख्य कारण यह है कि हम सुबह 8:00 के पहले कुछ ना कुछ खा लेते हैं और रात्रि 8:00 बजे के बाद खाते रहते हैं यह मुख्य कारण है और जो बचपन से जो दवाइयां खाए हुए हैं उसका असर बाद में दिखता है और जवानी में भी दवाइयां खाते रहते हैं रोजाना कोई न कोई दवाइयां खाते रहते हैं बिना रोग हुए किसी भी प्रकार की दवाइयां खाते रहते हैं उसी के कारण ही आज यह सब हो रहा है। हमारी दिनचर्या सही नहीं रहती और हम धरती से डिस्कनेक्ट हो गए होते हैं हम धरती पर कभी नंगे पैर नहीं चलते ।उल्टा सीधा खाना खाते रहते हैं बाहर का खाना खाते हैं फैक्ट्री का बंद फूड पैकेट कोल्ड ड्रिंक आदि चिप्स नमकीन बिस्कुट ब्रेड यह सब हमारे शुगर को हाई लेवल कर देता है, क्योंकि यह शुगर डुप्लीकेट है जिसे हमारी बॉडी एक्सेप्ट नहीं करती, वह स्टोर बना रहता है और जांच में वही निकल कर आता है। ओरिजिनल शुगर कभी मशीन में नहीं आती क्योंकि ओरिजिनल शुगर हमारी बॉडी खुद बनाती है जिससे हमारा शरीर चलता है। सुबह देर से उठना, रात को देर तक जागना, सुबह लेट उठना यह सब नियम सिद्धांत गलत है। अगर हम सुबह 8:00 बजे के बाद ही खाना शुरू करें उसके पहले कुछ न लें और रात्रि 8:00 के पहले अपना डिनर समाप्त कर दें और नंगे पैर घास पर धरती पर चलें तो ऑटोमेटिक ही शुगर नॉर्मल हो जाएगा और अपने खाने में मीठा फल खाना भी हो तो 12.00 दोपहर तक शामिल कर ले। उसके बाद लंच में सलाद पहले खाएं 200 ढाई सौ ग्राम उसके बाद अपना भोजन करें इसी प्रकार रात्रि 8:00 बजे के पहले 6 से 8:00 के भीतर अपना डिनर समाप्त कर ले, डिनर में भी थोड़ा बहुत सलाद खाएं और अपना भोजन करें। घर का खाना खाएं बाहरी खाना सब बंद कर दें सफेद नमक सफेद चीनी सफेद दूध दूध से बनी चीज, सफेद मैदा खाने से बचें तो शुगर के साथ-साथ सारी बीमारियां हमारे शरीर की खत्म हो जाएंगी। आयुर्वेद ने मधुमेह को रोकने के लिए आमला और हल्दी के बने योग निशी आमलकी को अमृत कहा है। इसको अपनाओ और हम हमेशा स्वस्थ रहेंगे हरी पत्तियां फल सलाद सब्जियों यह अपने भोजन में अगर शामिल कर ले तो शरीर की हर तरह की बीमारी खत्म हो सकती है। पशु-पक्षी जानवर प्राकृतिक भोजन करते हैं स्वस्थ रहते हैं। हम फैक्ट्री का भोजन करते हैं बाहर का खाना खाते हैं इसीलिए हम अस्वस्थ हैं बीमार है। हमें प्रकृति से बहुत कुछ सीखना चाहिए, सभी पशु-पक्षी जानवर से भी सीखना चाहिए उनके लिए कोई दवाई नहीं है कोई हॉस्पिटल नहीं है आखिर क्यों। इसलिए कि वह नेचर से जुड़े हुए हैं हम नेचर से डिस्कनेक्ट है। इसलिए सारी बीमारियां हो रही है।

## विरह से आकुल होकर मनोभाव परमात्मा तक पहुंचाने का माध्यम गोपी गीतः डॉ. पंडित रामस्वरूप शास्त्री

### जो भाव मन से शब्दों के द्वारा प्रकट हुए वह बन गया गोपी गीत। रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वियोग अवस्था में आध्यात्मिक ज्ञान से साधना के अर्न्तमन का खजाना खुल जाता है। तब वियोग दशा कैसी होती है उसका अंदाजा कोई योगी ही लगा सकता है। जैसे घायल की गति घायल ही जाने उसी भाव से गोपियों ने विरह वेदना गोपी गीत के माध्यम से भगवान को प्रस्तुत की। आज भी कई भक्तजन गोपी भाव का रूप लिए हुए भगवान कृष्ण के बिरह में गोपी गीत का भाव विभोर होकर गायन कर अपनी स्थिति ओर मनोभाव परमात्मा तक पहुंचाते है। यह भी एक प्रकार से भक्ति का ही रूप है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने रविवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि वृन्दावन में भगवान श्रीकृष्ण ने महारास में आध्यात्मिक वैभव की अनुभूति से जो आनंद की रसानु भूति की उससे महारास में शामिल हजारों गोपियां स्वयं अपने को कृष्ण रूप मानकर योगियों जैसी अवस्था में पहुंच गई थी। शास्त्रीजी ने कहा कि परमात्मा की अत्याधिक निकटता में रहने से गोपिया मानवती हो गई थी। रास मण्डल में से कृष्ण अर्न्तध्यान हो गए थे। तब गोपिया घोर रात्रि अबला जीवन ओर शून्य जंगल में कृष्ण को खोजने लगी पर वह नहीं मिल पाए तो उनके मिलन की उत्कंठा में समवेत स्वरों में जो दर्द भरी आवाज में एक गीत गाया उसमें जो भाव मन से शब्दों के द्वारा प्रकट हुए उसे गोपी गीत के नाम से जाना गया। इसमें वियोग दशा का अद्भुत भाव समाहित है। इस गोपी गीत को आज भी पूर्ण भक्ति भाव से गाने के साथ हरि दर्शन को लेकर मन की विरह वेदना भगवान तक पहुंचाने का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न आयोजन हो रहे है। भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु सत्संग-प्रवचन श्रवण के लिए पहुंच रहे है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10.15 बजे तक संतो के प्रवचन व राम नाम उच्चारण हो रहा है। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5 से 6.15 बजे तक राम ध्वनि, सुबह 8 से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, शाम को सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन हो रहा है।

## तीर्थ कुण्डलपुर में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन

राजेश जैन रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

**कुण्डलपुर, दमोह।** श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर, दमोह में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रभावक शिष्या आर्यिकारत्न श्री प्रशांतमति माताजी ससंघ मंगल सानिध्य में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन हो रहा है ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों द्वारा भक्ति भाव के साथ सिद्धों की आराधना की जा रही है। संगीतमय स्वर लहरियों के बीच विधान के प्रत्येक अर्घ चढ़ाये जा रहे हैं । ब्रह्मचारी संजीव भैया कटंगी के निर्देशन में विधान चल रहा है ।पंडित नमन जैन केरवना का सहयोग प्राप्त हो रहा है। विधान पुण्यार्जक सिंघई परिवार पटेरा है ।रात्रि में प्रवचन, आरती, नृत्य में बड़ी संख्या में लोग भाग ले रहे हैं।

## वेद ज्ञान

### मितव्ययिता भारतीय संस्कृति का प्रमुख आदर्श

मितव्ययिता भारतीय संस्कृति का प्रमुख आदर्श है जो केवल बचत का ही दृष्टिकोण नहीं देता है, बल्कि जीवन में सादगी, संयम, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण, त्याग और आडंबररहित जीवन को प्राथमिकता देता है। आज की उपभोक्तावादी एवं सुविधावादी जीवन-धारा में उसके प्रति किसी का भी लक्ष्य प्रतीत नहीं होता। यदि मितव्ययिता का संस्कार लोकजीवन में आत्मसात हो जाए तो समाज और राष्ट्र में व्याप्त प्रदर्शन, दिखावा एवं फिजूलखर्ची पर नियंत्रण लग सकता है। एक सामाजिक और राष्ट्रीय संपदा का यह अर्थहीन अतिरिक्त भोग और दूसरी तरफ अनेक व्यक्ति जीवन की मौलिक और अनिवार्य अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए भी तरसते रहते हैं। यह आर्थिक विषमता निश्चित ही सामाजिक विषमता को जन्म देती है। जहां विषमता है, वहां निश्चित रूप से हिंसा है। इस हिंसा का उद्गम है, अतिरिक्त संग्रह, असीम भोग, अनुचित वैभव प्रदर्शन, साधनों का दुरुपयोग। सत्ता का दुरुपयोग भी विलासितापूर्ण जीवन को जन्म देता है। किसके पास कितना धन है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्व इस बात का है कि अर्थ के प्रति व्यक्ति का दृष्टिकोण क्या है तथा उसका उपयोग किस दिशा में हो रहा है। प्रदर्शन और विलासिता में होने वाला अर्थ का अपव्यय समाज को गुमराह अंधेरों की ओर धकेलता है। इस तरह की आर्थिक सोच एवं संरचना से क्रूरता बढ़ती है, भ्रष्टाचार की समस्या खड़ी होती है, हिंसा को बल मिलता है और मानवीय संवेदनाएं सिकुड़ जाती हैं। अर्थ केंद्रित विश्वव्यवस्था समग्र मनुष्य-जाति के लिए भयावह बन रही है। मितव्ययिता का महत्व शासन की दृष्टि से ही नहीं, व्यक्ति एवं समाज की दृष्टि से भी है। हमारे यहां प्राचीन समाज में मितव्ययिता के महत्व को स्वीकार किया जाता था। किसी सामान की बबार्दी नहीं की जाती थी और उसे उपयुक्त जगह पहुंचा दिया जाता था। भोग विलास में पैसे नहीं खर्च किए जाते थे, पर दान-पुण्य किए जाने का प्रचलन था। गरीबों को भोजन, बेघरों को आश्रय, जरूरतमंदों की सहायता करना जैसे काम लोग किया करते थे, पर आज का युग स्वार्थ से भरा है।

## संपादकीय

# बढ़ते तापमान को लेकर दशकों से चिंता जताई जा रही....

दुनिया का तापमान बढ़ते जाने के मसले पर चिंताएं नई नहीं हैं। इसके हल के लिए वैश्विक स्तर पर विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और अलग-अलग देशों की सरकारों के नुमाइंदों के सम्मेलन होते रहे हैं, जिनमें इसके कारणों की पहचान कर उन्हें दूर करने के लिए प्रस्ताव पारित किए जाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि बीते कई दशकों से लगातार बढ़ती चिंता के बीच यह समस्या भी गहराती जा रही है। आखिर क्या कारण है कि हर अगले वर्ष तापमान में बढ़ोतरी को लेकर नए आकलन और उनकी वजह से समूची धरती पर मंडराते खतरे के संकेत सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके हल की ओर अब तक कुछ ठोस होता हुआ नहीं दिख रहा। गौरतलब है कि गुरुवार को यूरोपीय संघ की ''कापरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस'' यानी सीसीसीएस ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि इस वर्ष सितंबर अब तक का सबसे गर्म महीना रहा है। इसी वर्ष के शुरूआती नौ महीनों में पूरी दुनिया का तापमान औसत से 0.52 डिग्री

सेल्सियस ज्यादा था। मसला केवल महीने तक सीमित नहीं है। रपट के मुताबिक, सन 2023 अब तक का सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज होने वाला है। सवाल है कि अगर दुनिया भर में इस मसले पर अद्यतन जानकारियां और अध्ययनों की रपट सामने हैं और उसका असर लगातार बढ़ता साफ-साफ महसूस किया जा रहा है, तो आखिर इस समस्या को दूर करने को लेकर गंभीरता क्यों नहीं दिख रही! इस पर सोचना इसलिए भी जरूरी है कि यह कोई मौजूदा दौर की मुश्किल नहीं है कि थोड़ा-बहुत नुकसान उठा कर इसके निकल जाने का इंतजार कर लिया जाए, बल्कि इससे आने वाला समूचा वक्त प्रभावित होने वाला है, कई-कई पीढ़ियों को इसका खमियाजा उठाना पड़ सकता है। हालांकि इसके खतरे अभी ही वातावरण से लेकर आम जनजीवन पर खतरनाक असर डालने लगे हैं। मसलन, मौसम के चक्र के मुताबिक आमतौर पर सितंबर के महीने में गरमी काफी हद तक नरम पड़नी शुरू हो जाती है। लेकिन अगर सीसीसीएस जैसी संस्था अपने आकलन में न केवल सितंबर महीने को, बल्कि इस पूरे वर्ष के ही सबसे गर्म होने का दावा कर रही है तो अब तत्काल इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि पिछले कई दशकों के दौरान ग्लोबल वार्मिंग या धरती का तापमान बढ़ते जाने के कारणों की पहचान पर बात होने के बावजूद इसके हल के उपायों के प्रति लापरवाही और अनदेखी का नतीजा क्या हो सकता है। बढ़ते तापमान के खतरे के बीच इन तथ्यों पर बात होती रही है कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के बजाय जीवाश्म ईंधनों को जलाने की वजह से जलवायु में बदलाव आ रहा है और इसी कारण मौसम में तीव्र उथल-पुथल देखी जा रही है। अलग-अलग देशों में लू और चक्रवाती तूफान का स्वरूप ज्यादा भयावह होने लगा है और इनकी आवृत्ति भी बढ़ गई है। इसके अलावा, भारी बारिश से विनाशकारी बाढ़ और जंगलों में आग लगने की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हुई है। मुश्किल यह है तापमान में बढ़ोतरी को खतरनाक बताते हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उसके हल के लिए सुझाए गए उपायों पर सहमति जताई जाती है, लेकिन इस पर अमल को लेकर गंभीरता नहीं दिखती। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# मनरेगा योजना

पश्चिम बंगाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के लागू होने में अनियमितताओं को लेकर तृणमूल कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच छिड़ा वाक्युद्ध अब सड़कों पर आ गया है। राज्य सरकार ने केंद्र पर हजारों करोड़ रुपए रोकने का आरोप लगाया तो केंद्र सरकार बंगाल में मनरेगा योजना में निर्देशों को ताक पर रखने की दलील दे रही है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच निचले पायदान पर बैठा व्यक्ति रोजगार की मुश्किल से जूझ रहा है। विपक्षी दल पूर्ववर्ती यूपीए सरकार में लागू की गई इस योजना को केंद्र की मौजूदा राजग सरकार पर धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप लगाते रहे हैं। इनमें पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सबसे ज्यादा मुखर है और उसने कई मौकों पर इस मसले पर केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया है। पार्टी का कहना है कि केंद्र मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पंद्रह हजार करोड़ रुपए दबाए बैठा है। इससे राज्य की बड़ी गरीब आबादी प्रभावित हो रही है। हालांकि केंद्र इन आरोपों का खंडन करने के साथ ही राज्य सरकार पर मनरेगा जाब कार्ड में फर्जीवाड़ा किए जाने की बात कह रहा है। हकीकत यह है कि मांग-संचालित मजदूरी रोजगार कार्यक्रम के रूप में मनरेगा समूचे देश में अपने मूल स्वरूप में जारी है और केंद्र सरकार इस मद में राशि भी आबंटित करती रही है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय का दावा है कि मनरेगा के लिए धन की कोई कमी नहीं है, लेकिन राज्य को धन इसलिए नहीं दिया गया, क्योंकि उसने केंद्रीय निर्देशों का अनुपालन नहीं किया। केंद्र सरकार राज्य में पच्चीस लाख जाब कार्ड में फर्जीवाड़ा किए जाने का भी आरोप लगा रही है। अगर ऐसा है तो इन आरोपों की पड़ताल होनी चाहिए। राज्य सरकार को स्वयं इस मामले की जांच कर केंद्र के समक्ष सही तस्वीर रखनी चाहिए। सवाल है कि पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार की चिंताओं का निवारण करने में कहां दिक्कत पेश आ रही है, जबकि केंद्र कह रहा है कि उसने चार अक्तूबर तक इस योजना के लिए निर्धारित साठ हजार करोड़ रुपए के बजट में से 56,105.69 करोड़ जारी कर दिए हैं। अगर इतना पैसा राज्यों को दे दिया गया है तो गड़बड़ी कोष में नहीं, कार्यान्वयन स्तर पर नजर आती है। एक उपयोगिता आधारित और गरीब तबकों के कल्याण कार्यक्रम के रूप में मनरेगा का महत्त्व किसी से छिपा नहीं है। लेकिन इसमें धांधली, काम नहीं मिलने या भुगतान में देरी के आरोप अक्सर सामने आते रहे हैं। स्थानीय स्तर पर योजना की कार्यान्वयन एजंसी के प्रति सख्ती से इस समस्या का समाधान हो सकता है। अगर किसी राज्य के साथ भेदभाव हुआ है, तो इसके लिए सड़कों पर प्रदर्शन करने के बजाय उचित मंच पर तथ्यों और आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी जा सकती है। मनरेगा को गांवों में रोजगार का सबसे ठोस जरिया माना जाता है। इसके तहत ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष सौ दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाती है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना की उपयोगिता पूरे देश में शुरू से निर्विवाद रही है। कोरोना काल में जब बड़ी संख्या में शहरों से गांवों की ओर पलायन हुआ तो रोजी-रोटी चलाने के लिए यही योजना सबसे बड़ा सहारा बनकर उभरी।

# 16 पदयात्राओं का अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में हुआ संगम

## पदयात्रियों एवं समाज बन्धुओं ने लिया आशीर्वाद, बड़ी संख्या में पहुंचे पदयात्री

**अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया**

पदमपुरा। धर्म प्रभावना बढ़ाने में पदयात्राओं का बड़ा महत्व होता है। ये विचार रविवार को आचार्य चैत्य सागर महाराज ने बाडा पदमपुरा में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में पहुंचे पदयात्रियों एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जयपुर ग्रामीण जोन के महामंत्री अमन जैन कोटखावदा, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के सूर्य प्रकाश छाबड़ा, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, जिनेन्द्र जैन, पवन जैन, सुशील जैन सहित दीपक गोधा, पारस जैन सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने भगवान पद्म प्रभ के दर्शन लाभ लेते हुए ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः 4 बजे से ही पदयात्राओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। जयपुर की विभिन्न कालोनियों सहित चाकसू, वाटिका, फागी, टौंक, निवाई आदि से 16 पदयात्राए पदमपुरा पहुंची। पदयात्री भगवान पद्म प्रभ के दर्शन लाभ के बाद आचार्य चैत्य सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित धर्म सभा में शामिल हुए। इस मौके पर पदयात्रियों ने आशीर्वाद लेते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि आज पदयात्रा के माध्यम से भगवान पद्म प्रभ के दर्शन लाभ के साथ पूजनीय आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज का भी आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पदयात्रियों ने की संगीतमय पूजा अर्चनाः इससे पूर्व प्रातः पदयात्री नाचते गाते भगवान पद्म प्रभ के दरबार में पहुंचे। दर्शन लाभ एवं प्रवचन के बाद पदमपुरा पहुंचे पदयात्रियों ने साजो बाजों से संगीतमय पूजा अर्चना की इस दौरान सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें त्यागी व्रती तपस्वियों एवं वरिष्ठ पदयात्रियों का सम्मान किया गया। सायंकाल वात्सल्य सहभोज हुआ। सायंकाल आरती के बाद पदयात्रियों का बसों व अन्य साधनों से वापस लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। पूरा मंदिर परिसर भगवान पद्म प्रभ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

# श्रीमाल जैन जागृति संस्था की सामूहिक क्षमावाणी, सम्मान समारोह सम्पन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था का सामूहिक क्षमावाणी, गोठ, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं ऋद्धि मंत्रों से भक्तामर दीप अर्चना का कार्यक्रम रविवार 8 अक्टूबर को मुरलीधर राणा जी की नसिया चूलगिरी जयपुर में पूरे भक्तिभाव एवं श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। संस्था के सचिव डॉ इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि श्रीमाल जैन समाज के 700 धमानुयायियों से भरे सभागार में सर्वप्रथम आदिनाथ भगवान के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कैलाश चंद , हरषी लाल , नेहरू , पुराण , बुद्धि प्रकाश , महेंद्र कुमार निन्दरदा वाले लुनियावास के द्वारा किया गया । तत्पश्चात भक्तामर कलश स्थापना महावीर , हरीश , घनश्याम , शांत कुमार वजीरपुर वालों के द्वारा की गई । इसके बाद रिद्धि मंत्रो द्वारा भक्तामर दीप अनुष्ठान जैन भजनों की संगीतमयी प्रस्तुति के साथ विधानचार्य शिखर चन्द किरण के सानिध्य में किया गया जिसमें सभी समाज के आगंतुक महिला पुरुषों द्वारा भाव नृत्य से आदिनाथ भगवान की स्तुति की एवं महा आरती की गई। महाआरती का सौभाग्य पदम चंद , राजेश, मनीष, प्रेमप्रकाश, सन्तोष पापरदा वालों को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के 80 वर्ष से ऊपर के वृद्धजनों का श्री फल भेट कर और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया । भाद्रपद मास में दशलक्षण, पंचमेरु, एवं रत्नत्रय के क्रमशः 10 दिन के, 5 दिन के व 3 दिन के उपवास करने वाले त्यागी तपस्वियों का ,समाज के विशिष्ट योग्यता से परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होने वाले मेघावी छात्रों का भी सम्मान किया गया। संस्था के द्वारा जयपुर से बाहर के विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों का भी सम्मान किया गया। दस लक्षण महापर्व के समय संस्था के द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन धार्मिक प्रतियोगिताओं में विजेता सदस्यों को पारितोषिक भी संस्था के द्वारा वितरण किया गया । पारितोषिक वितरण महावीर, हरीश, घनश्याम, शांत कुमार वजीरपुर के सौजन्य से किया गया । तत्पश्चात सामूहिक भोज के आयोजन में सभी के द्वारा वात्सल्य भोज का आनंद लिया। संस्था के कोषाध्यक्ष नवल जैन ने अवगत कराया कि संस्था का उद्देश्य पूरे भारत मे निवास करने वाले श्रीमाल समाज के सदस्यों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है। सभी प्रकार की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों की सूचना सभी सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती है । संस्था के द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के आयोजन हेतु भूमि खरीद कर रजिस्टरी करवा ली गयी है। कार्यक्रम आयोजन में अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था की मुख्य कार्यकारिणी के अध्यक्ष अजय जैन, सचिव डॉ इन्द्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष नवल जैन, महिला मंडल अध्यक्ष रेणु जैन, सचिव संगीत जैन कोषाध्यक्ष चंचल जैन एवं युवा मंडल अध्यक्ष चमत्कार जैन, सचिव गोकुलेन्द्र जैन कोषाध्यक्ष सुनील जैन एवं तीनो कार्यकारिणी सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। संस्था के अध्यक्ष अजय जी जैन द्वारा सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं संस्था के सभी सदस्यों ने गत वर्ष की गलतियों के लिए एक दूसरे से सभी से क्षमा याचना की।

# ज्ञान को प्राप्त करने वाला धरती पर स्वर्ग के सुख को प्राप्त कर सकता है: महासती धर्मप्रभा

**सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया**

चैन्नई। ज्ञान का एक सूत्र भी मनुष्य अपने जीवन मे उतारलें और उस सूत्र का वह पालन करने लग जाऐ तो इस धरती पर भी वह स्वर्ग का सुख प्राप्त कर सकता है रविवार साहुकारपेट जैन भवन में गुरूवर्या महासती धर्मप्रभा ने आयोजित विषेश धर्मसभा मे श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्ञान अनन्त है और सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर पाना साधारण मनुष्य के लिए कठिन और असंभव है लेकिन ज्ञान के छोटे से एक सूत्र को भी वह अपने जीवन में समावेश कर लेता है तो वह सभी दुखों से छुटकारा प्राप्त कर सकता है और मनुष्य भव मे भी स्वर्ग के सुख को प्राप्त करके अपनी आत्मा मोक्ष दिला सकता है। परन्तु मनुष्य थोड़े से ज्ञान पर अंहकार और घमंड करता है और समझा है कि इस संसार मेरे बराबर कोई दुसरा विद्वान ज्ञाता पंडित नहीं है जो कुछ भी हू वह मे,जबकि इस धरती न जाने कितने ही अल्पज्ञ अंहकारी घमंडी इस धरती की राख बन चुकें है और उनका दुनिया मे नामो निशान तक नहीं रहा । मनुष्य भव संसार मे बार-बार नही मिलता है जीवन मे राग द्वेष और कयायो के त्यागने पर ही धरती पर स्वर्ग का सुख मिल सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा उत्ताराध्यय अध्ययन सूत्र का वांचना करते हुए बताया की मनुष्य का जीवन तब तक अधूरा है जब वह स्वंय को नहीं जानेगा और आत्मा को नहीं पहचानेगा तब तक उसे ज्ञान प्राप्त नहीं होने वाला। आत्मा का कल्याण तभी हो सकता है जब वह 24 घंटो मे कुछ पल स्वयं के जीवन के निर्माण और आत्मा के उत्थान के लिए साधना करता है तो वह अपनी आत्मा को जानकर अपने जीवन का निर्माण कर लेगा। साहुकार पेट श्री एस.एस. जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया धार्मिक पाठशाला मे ज्ञानार्जन अर्जित करने वाले अनेक बालक -बालिकाओं ने साध्वी वृंद से धर्मसभा के दौरान त्याग और प्रत्याख्यान लिए पाठशाला मे ज्ञान प्राप्त करने सभी बच्चों का श्री संघ के मंत्री सज्जनराज सुराणा, हस्तीमल खटोड़, सुरेशचन्द डूगरवाल, शम्भूसिंह कावड़िया, शांति लाल दरड़ा आदि ने कम उम्र मे त्याग प्रत्याख्यान लेने पर बच्चों का होसला बढ़ाया और दर्शना पधारे थांवला निवासी फतेहराज खटोड़ का स्वागत किया ।

### आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा...

# ध्यान एक मेडिटेशन है दुनिया में इसका प्रयोग चिकित्सा के रूप में हो रहा है

## सम्यक ध्यान शतक पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन। आज दुनिया ध्यान की ओर आकर्षित हो रही है...

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया।** आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सम्यक ध्यान संगोष्ठी का आयोजन श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में सुभाष गंज मैदान में आयोजित किया गया। संगोष्ठी में देशभर से आमंत्रित विद्वानो ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। इस दौरान श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी द्वारा सभी विद्वानों का स्मृति चिन्ह शॉल, श्री फल, तिलक से समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, उपाध्यक्ष राजेंद्र अमन, महामंत्री राकेश अमरोद,मंत्री विजय धुर्रा के साथ समिति सदस्यों ने सम्मान किया। संगोष्ठी का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि ध्यान एक बहुत बड़ा विज्ञान है जिसे समझने की आवश्यकता है। आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य आयोजित संगोष्ठी में सेज युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो डॉ वी के जैन भोपाल से, डा सुधीर कुमार भाव विज्ञान पत्रिका के सम्पादक, डॉ अजित कुमार, डॉ नरेन्द्र कुमार भोपाल, शैलेन्द्र तेंदूखेड़ा, डॉ स्वराज, डॉक्टर श्रीमति करुणा सहित अनेक विद्वान सम्यक ध्यान शतक पर अपने विद्वातापूर्ण आलेखको का वाचन किया। आज के प्रथम सत्र की अध्यक्षता सेज युनिवर्सिटी के कुलपति प्रो डॉ वी के जैन ने की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ने कहा कि आज हम लोग सम्यक ध्यान संगोष्ठी में अनेक विद्वानों के विचार जाने।

# जैन श्रद्धालुओं ने किए बाड़ा पदमपुरा के दर्शन

## लिया गुंसी में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का आशीर्वाद

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ मानसरोवर संभाग द्वारा विगत पांच वर्षो से निकाली जा रही मासिक बाड़ा पदमपुरा बस यात्रा के अंतर्गत रविवार को प्रातः 7 बजे वरुण पथ, मानसरोवर स्थित दिगंबर जैन मंदिर से बाड़ा पदमपुरा की बस यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा के अंतर्गत निवाई के पास भारत गौरव, गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी की मंगल प्रेरणा से निमार्धीन सहस्त्रकुट विज्ञातीर्थ गुंसी जिनालय और पूज्य माताजी के भी दर्शन लाभ प्राप्त किए। मानसरोवर संभाग अध्यक्ष कुलदीप छाबड़ा ने बताया की यात्रा का शुभारंभ प्रातः 7 बजे वरुण पथ, मानसरोवर से किया गया था, जिसमें सर्व प्रथम अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा दिगंबर जैन मंदिर में भगवान पदमप्रभ के दर्शन किए, चालीसा का गुणगान किया और महामंगल आरती की गई, इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने क्षेत्र में विराजमान आचार्य चैत्य सागर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसके बाद यात्रा ने पदमपुरा से प्रातः 10 बजे निवाई के लिए प्रस्थान किया, लगभग 11 बजे यात्रा सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी जिनालय पहुंची जहां भक्तों ने जिनालय के दर्शन और आरती की, इसके पश्चात जिनालय में विराजमान गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी को श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के पदाधिकारियों ने माताजी के सानिध्य ने श्रीजी का कलशाभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य भी प्राप्त किया। यात्रा के दौरान संयोजक सुदर्शन पाटनी, रवि जैन, एकता संघ पदाधिकारी हर्षित गोधा, हर्षित जैन, शशांक जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। अगले महीने के प्रथम रविवार 5 नवंबर को मासिक पदमपुरा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। साथ ही दीपावली के बाद अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी की बस यात्रा का आयोजन किया जायेगा।

# सिद्ध क्षेत्र सम्मेदशिखरजी की यात्रा रवाना

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया**

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन परिवार की सामूहिक सम्मेद शिखर जी तीर्थ क्षेत्र की यात्रा इंदौर से रवाना हुई। जिसमें पूरे भारत वर्ष से फेडरेशन के पदाधिकारी एवं समस्त सोशल ग्रुप के सैकड़ों सदस्य हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका के नेतृत्व में इंदौर से रवाना हुई। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, हंसमुख गांधी,एम के जैन, कीर्ति पांड्या, आशीष जैन एवं इंदौर के जन प्रिय विधायक संजय शुक्ला ने समस्त यात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं बंधाई दी।

# रिषा जैन को मिला एक्सिलेन्स आउटस्टैंडिंग अवार्ड

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** एस.एस जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज,जयपुर में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में मास्टर इन जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन के फाइनल ईयर की छात्रा ''रिषा जैन'' को एक्सीलेंस-आउट स्टैंडिंग स्टूडेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। रिषा को मोमेंटो और सर्टिफिकेट प्रोफेसर के.बी. शर्मा प्रिंसिपल-एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. (ऑटोनोमस), श्री देवस्वरूप उपकुलपति बाबा आमटे दिव्यांग यूनिवर्सिटी, केन्द्रीय मंत्री सीताराम लाम्बा एवम मनीष कुमार शर्मा डायरेक्टर ऑफ पीस एंड नॉन वायलेन्स के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की कॉर्डिनेटर डॉ. रश्मि नायर, डॉ. शिफाली जैन, एम. जी. एम. सी. की एच.ओ.डी. डॉ. पदमा पण्डेल, कॉलेज के विनय चंद डागा सहित मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य और सभी लेक्चरार्स व स्टूडेंट्स उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अन्नू मल्होत्रा एवम डॉ. अंशु जोशी ने किया। कार्यक्रम सुबोध कॉलेज के वातानुकूलित विशाल सभागार में आयोजित किया गया था।

# चंद्रप्रभु भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की

## तीन लोक महामंडल विधान की पूजा का आयोजन

**राजेश जैन अरिहंत. शाबाश इंडिया**

**टोंक।** श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया तेरापंथियान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में रविवार से तीन लोक महामंडल विधान की पूजा की शुरूआत हुई। राजेश अरिहंत ने बताया कि रविवार को नसिया में प्रातः चंद्रप्रभु भगवान पार्श्वनाथ भगवान एवं आदिनाथ भगवान का अभिषेक किया गया ।तत्पश्चात रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ चंद्रप्रभु भगवान की वृहद शांतिधारा की गई। नवीन जैन ने बताया कि तत्पश्चात नित्य नियम पूजा कर श्रद्धालुओं ने अर्ध्य एवं श्रीफल समर्पित किये ।इस अवसर पर महावीर पाटनी, विनोद, सुरेंद्र, निर्मल, राकेश, मुकेश, खेमचंद, सुमन, इंदिरा आदि मौजूद थे। नसिया समिति के मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि तीन लोक महामंडल विधान की पूजा के अंतर्गत सर्वप्रथम मंडप की रचना कर पांच मंगल कलशो की स्थापना की गई तत्पश्चात आचार्य निमंत्रण सकलीकरण के बाद श्रद्धालुओं ने विधान की पूजा कर 108 अर्ध्य समर्पित किये ।नसिया समिति के अध्यक्ष देवराज काला ने बताया कि उक्त विधान की पूजा का आयोजन 22 अक्टूबर तक होगा एवं इसी दिन प्रातः महा अर्ध्य चढ़ाया जाएगा तथा सायंकाल श्री जी के वार्षिक कलशाभिषेक होंगे। 15 दिवसीय विधान के पुण्यार्जक श्रीमती गटोल देवी पाटनी परिवार की ओर से विधान का आयोजन होगा।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

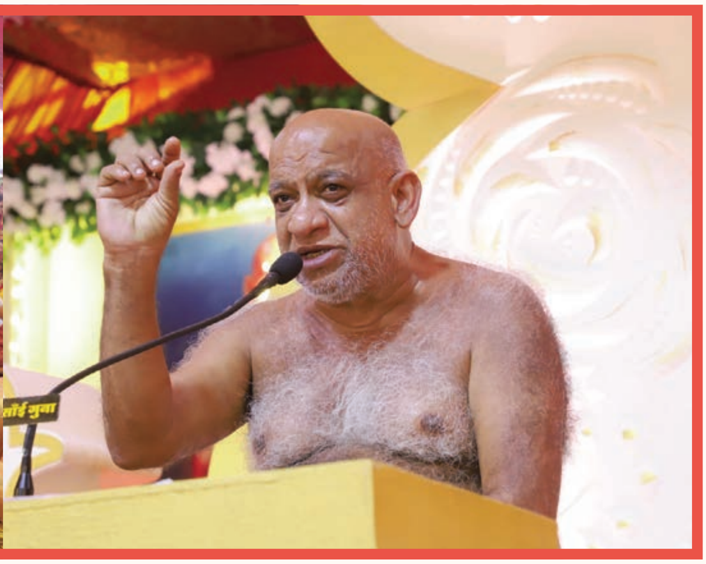

# तीन इतिहास ढूंढे जाए एक तो मूल इतिहास, दूसरा विध्वंसक इतिहास और तीसरा नवनिर्मित इतिहास

## हर क्षेत्र पर इसकी जरूरत है। भले ही वह जीर्णोद्धार हो गया हो लेकिन पुराने इतिहास की वो मांग कर रहा है : निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

**आगरा. शाबाश इंडिया**

मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सागर सभागार में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन चल रहा है। तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निवाणोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्तर के विद्वान बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं। संगोष्ठी के दूसरे दिन 8 अक्टूबर का शुभारंभ बच्चों द्वारा मंगलाचरण के साथ किया। राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में पहुंचे विद्वानों की ओर से महान आचार्यों एवं संतों के चित्रों का अनावरण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद सभी विद्वानों ने क्रमानुसार अपने अपने आलेख वाचन दिए। इसी श्रृंखला में आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की परम्परा के मुनियों द्वारा जैन तीर्थों का संरक्षण एवं उनका जीर्णोद्धार विषय पर विद्वानों ने अपने विचार रखे। इस प्रकार इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्तर पर आए विद्वानों ने संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की परम्परा के साधुओं की ओर से जैन तीर्थों के संरक्षण को लेकर उद्गार व्यक्त किए। संगोष्ठी के दौरान मुनिश्री सुधासागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तीर्थचेतन और अचेतन दोनो तरह के होते है। सबसे पहले तीर्थ शब्द का उपयोग किया है पूज्यवर कुन्दकुन्द स्वामी महाराज ने और तीर्थ शब्द को उन्होंने दो भागों में विभाजित किया। रत्नत्रय को उन्होंने तीर्थ कहा और रत्नत्रयधारी मुनि मुद्रा है उसको भी चलता फिरता तीर्थ कहा। सबसे पहले

इसको जिनमुद्रा कहा और जिनमुद्रा जहाँ हो वही तो तीर्थ माना जाता है तो उन परंपराओं को जब हम देखते है तो एक चैतन्य तीर्थ होता है और चैतन्य तीर्थ की हम अभिव्यक्ति नही कर पाते।चैतन्य तीर्थ जो होता है एकरूप नही होता। उसमे नाना रूपताये होती है। एक व्यक्ति में भी नाना रूपो में भी उतार-चढ़ाव विद्यमान रहता है। उस तीर्थ को शाश्वत उतार-चढ़ाव के बिना एक रूपता देने, एक आकार देने के लिए ही अचेतन तीर्थक्षेत्रों की स्थापना की गयी। इस युग मे सबसे पहले तीर्थक्षेत्र भरत चक्रवर्ती ने बनाये। पूज्य गुरुदेव ने वर्तमान में क्या अद्भुत काम किया कुंडलपुर में। कुंडलपुर वो छोटा सा स्थान जहाँ 100-500 साल के बाद सब खत्म हो जाता। आज आचार्य श्री ने कुंडलपुर के लिए हजारों हजारों साल के लिए अमर कर दिया। तुम कितना जानते हो धर्म के सम्बन्ध में। आचार्य श्री ने कुंडलपुर का जो रूप देखा, जो स्वरूप देखा, जिस ढंग से उसको परिणित किया और वो परिणति देखकरके आचार्य श्री, अपन सब चले जायेंगे लेकिन यह तीर्थ ही हमारे जीवन के भविष्य में अतीत की गाथाएं गायेंगे कि अतीत कैसा रहा। इसलिए तीर्थक्षेत्रों के सम्बंध में बहुत बड़े शोध की जरूरत है। एक एक तीर्थक्षेत्र के इतिहास को तब और अब करके यदि लिखा जाए तो हर तीर्थक्षेत्र पर एक किताब लिखी जा सकती है। तीन इतिहास ढूढे जाए एक तो मूल इतिहास, दूसरा विध्वंसक इतिहास और तीसरा नवनिर्मित इतिहास। हर क्षेत्र पर इसकी जरूरत है। भले ही वह जीर्णोद्धार हो गया हो लेकिन पुराने इतिहास की वो मांग कर रहा है। भगवान महावीर के बाद सबसे बड़ा योगदान है तो कुन्दकुन्द भगवान का। पुष्पदन्त- भूतवली जी का भी है लेकिन वो सिद्धान्तिक है। महावीर स्वामी के जैनदर्शन की सबसे बड़ी कोई अलौकिक खोज है तो वह खोज है कर्म सिद्धान्त। जिस कर्म सिद्धान्त की व्यवस्था किसी भी दर्शनकार ने इस रूप में प्रस्तुत नही की। ये सबसे बड़ा योगदान दिया आचार्य धरसेन स्वामी, पुष्पदन्त व भूतबलि जी ने। आज 2500 वर्ष तक जो शासन जीवित है दुनिया मे इसका नाम है कुन्दकुन्द स्वामी ध्वजा। भगवान महावीर स्वामी से अपने आचार-विचारो को सुरक्षित नही कर सकते क्योंकि उनके सब कुछ मौखिक था। और मौखिक वस्तु कितनी देर तक जीवित रहती है। सौ बका और एक लिखा। तो महावीर स्वामी की जितनी भी मेहनत थी वह सब तिरोहित हो गई लेकिन कुन्दकुन्द स्वामी ने भगवान महावीर स्वामी के मार्ग को पुनः जीवंत किया। यदि तीर्थंकर भगवान भी क्यों न हो यदि आप भी वस्त्र का त्याग नही करते है तो आपके लिए भी मोक्ष के दरवाजे नही खुले है ऐसा कहने वाले कोई है तो परम-पूज्य कुन्दकुन्द भगवान। भगवान को भी लाइन में लगा दिया। सारी दुनिया की यही नीति है कि समर्थवान को कोई मार्ग नही बताया जाता, समर्थवान जहाँ से चल जाता है वही मार्ग होता है। लेकिन कुन्दकुन्द स्वामी ने कहा कि इस रास्ते पर चलोगे तो आप्त बनोगे नही तो बने रहो तीर्थंकरे धर्मसभा का संचालन मनोज बाकलीवाल द्वारा किया गयो इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,नीरज जैन जिनवाणी, हीरालाल बैनाड़ा, मनोज जैन बाकलीवाल,विवेक बैनाड़ा,पन्नालाल बैनाड़ा,निर्मल मोठया राजेश जैन सेठी,अमित जैन बॉबी, विभु बैनाड़ा,यतीन्द्र जैन,अनिल जैन, नरेश जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन,पंकज जैन, राहुल जैन पश्चिमपुरी,शैलेंद्र जैन दीपक जैन, अंकेश जैन,सचिन जैन,राजेश जैन, विशाल जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

# बगराना जैन मंदिर के चुनाव संपन्न

## अध्यक्ष विजय कुमार पाटनी, सचिव मृगेंद्र कुमार जैन निर्वाचित

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट पुराना बगराना आगरा रोड जयपुर के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी गौतम कुमार जैन सहायक रजिस्ट्रार हाई कोर्ट व नगेंद्र कुमार जैन उअ ने बताया अध्यक्ष पद पर विजय कुमार पाटनी, उपाध्यक्ष पद पर खगेंद्र कुमार जैन, सचिव पद पर मृगेंद्र कुमार जैन, उप सचिव पद पर नेमीचंद जैन, कोषाध्यक्ष पद पर डा. सुनील जैन, उप कोषाध्यक्ष पद पर पुनीत गोधा, संगठन मंत्री अजय कुमार जैन, सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती शशी सेठी निर्वाचित किए गए। इस मंदिर का निर्माण संवत 1749 में अजीत दास जी संघी ने करवाया जिसका जीर्णोद्धार व प्रबंधन श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट द्वारा लगातार किया जा रहा है।

# श्रेयांसगिरि में धूमधाम से मनायी आचार्य विमल सागर जी की 108 वीं जन्म जयंती

## ग्रामवासियों ने शोभायात्रा की अगवानी कर महामुनिराज की आरती उतारी

**राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया**

श्रेयांसगिरी, पन्ना। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रेयांसगिरी में रविवार को परमपूज्य भारत गौरव, राष्ट्रसंत, गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज ससंघ 29 पिच्छी के पावन सानिध्य एवं हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूज्य गुरुणाम् गुरु वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महामुनिराज की 108 वीं जन्म जयंती महामहोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर श्रेयांशगिरि से नचने ग्राम तक भव्य शोभा यात्रा संपन्न हुई, जिसमें सौभाग्यवती महिलाओं ने मंगल कलश, ध्वज, डांडिया नृत्य, आदि के द्वारा यात्रा की शोभा बढ़ाई तथा नचने ग्राम वासियों ने बड़ी श्रद्धापूर्वक घर-घर में रंगोली एवं दीपक आदि सजाकर शोभायात्रा की अगवानी की। सलेहा समाज के द्वारा संपूर्ण नचने वासियों के मिष्ठान एवं फल वितरण कर विमल बाबा का प्रसाद प्रदान किया गया। भरत सेठ ने बताया कि शोभायात्रा प्रवचन प्रांगण पहुंचने के उपरांत संपूर्ण अंचल समाज के विशिष्ट प्रतिनिधियों द्वारा द्वय गुरुओं का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया तथा पूज्य आचार्य विमल सागर जी की प्रतिमा के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य पवल जैन गुनौर व पूज्य गणाचार्यश्री के पाद प्रक्षालन सुनील जैन पवई को प्राप्त हुआ। पूज्य गणाचार्यश्री ने गुरुदेव का स्मरण करते हुए अपने प्रवचनों में बताया कि आचार्य गुरुदेव श्री विमल सागर जी महाराज एक महान तपस्वी, साधक एवं वात्सल्य के धनी थे। रात्रि के 11 बजे से प्रातः काल तक अखंड ध्यान साधना उनकी प्रतिदिन की स्वाभाविक तपस्या थी यद्यपि ऐसी कठोर तपस्या गुरुदेव केवल आत्म कल्याण के लिए करते थे परंतु उनकी तपस्या का ऐसा अलौकिक प्रभाव था कि जो महाराज बोल दें वैसा ही होता था।

# लोभ-लालच का कोई अंत नहीं यही पाप बंध का मूल कारणः दर्शनप्रभाजी म.सा.

## बाहर देखने की बजाय अपने भीतर झांकने पर ही होगा आत्म कल्याण- चेतनाश्रीजी म.सा.

**सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। जीवन में लोभ लालसा का कोई अंत नहीं होता है। जितना मिलता जाता है पाने का लोभ उतना ही बढ़ता जाता है। पाप कर्म बंध का बड़ा कारण भी हमारे लोभ की यहीं प्रवृति होती है। जीवन में आत्मकल्याण करना है तो लोभ-लालच से दूर होना होगा। पाने की प्रवृति में रत रहने की बजाय जो पा लिया उसका त्याग किस तरह कर सकते है इस पर सोचना चाहिए। कर्मो का बोझ हल्का करने पर ही जीवन में सुख मिल पाएगा। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में रविवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोभ के कारण हम अपरिग्रह को भूल परिग्रह में उलझे हुए है। लोभ की प्रवृति कई बार इंसान को गलत रास्ते पर धकेल उसका जीवन अंधकारमय कर देती है। हमे लोभ, लालच से दूर होकर दूसरों का भला करने की भावना मन में रखनी चाहिए। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा हम बाहरी दुनिया में ताकाझांकी करने की बजाय अपने अंतर की ओर झांके ओर चिंतन मनन करे। हम सुनने के साथ चुनना भी है। बिना चुने जीवन उत्थान नहीं हो सकता।

# श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुनि श्री सुधासागर जी के दर्शन किए

**प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट बापुनगर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण आगरा पहुंचकर हरी पर्वत पर विराजित निर्यापक मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज ससंघ से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन एवं मंत्री पूनम चंद सेठी ने सुधा सागर वाटिका के नये आधुनिकतम प्रोजेक्ट को निर्यापक मुनि सुधा सागर जी महाराज को अवलोकन कराया। मुनि सुधा सागर जी ने प्रोजेक्ट का अवलोकन कर उसमें कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जिसे आगे सुधार कर नए प्रोजेक्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। सुधा सागर वाटिका के नए नए प्रोजेक्ट को प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया को भी अवलोकन कराया। उन्होंने भी अपनी मार्गदर्शन देते हुए अच्छे सुझाव दिए। इससे पूर्व प्रात 5:30 बजे विराजित निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के पाद पक्षालन सभी सदस्यों ने किये इस उपरांत पंडाल में चल रहे मुनि श्री के सानिध्य में विद्वत संगोष्ठी के विद्वानों के विचार सुनने एवं मुनिश्री के धर्म उपदेश का भी सभी ने श्रमण किया। इस अवसर पर राजेंद्र सोगानी, अशोककुमार पाटोदी, प्रकाशपाटनी, ताराचंद झाझरी, राकेशबघेरवाल, ताराचंद अग्रवाल, सुनील सबलावत आदि उपस्थित थे।